S. No.	Name of Irrigation Project covered under CAD Programme	Year of inclusion	Districts benefitted	Culturable Command Area under the project (ha.)
1.	Loktak CAD Project	1974-75	Manipur	24,000
2.	Sakmai Barrage Project	1983-84	Manipur	5,000
3.	Imphal Barrage Project	1993-94	Imphal & Thoubal	4,000
4.	Thoubal Multipurpose project	1995-96	Thoubal	4,000

(c) Central assistance is provided to the State Government on identified items of work on matching basis. As such completion of the programme depends upon the availability of funds under the State budget and the rate of execution of different activities of the programme by the State.

महाराष्ट्र और गुजरात में भूमिगत जल स्तर

1076. **श्री गोपालसिंह जी० सोलंकी:**
श्रीचीमनभाई हरीभाई शुक्ला:

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या महाराष्ट्र और गुजरात के सूखा प्रवण जिलों में भूमिगत जल स्तर तेजी से गिर रहा है;

(क) यदि हां, तो तत्संबंधी जिला-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने गिरते भूमिगत जल स्तर के बारे में केन्द्रीय भूजल बोर्ड के माध्यम से अद्यतन स्थिति की जांच कराई है; और

(घ) क्या सरकार ने राज्य सरकारों को इस प्रयोजन हेतु कोई वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई है; यदि हां, तो इस संबंध में गत तीन वर्षों का ब्यौरा क्या है?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा जल संसाधन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सोमपाल): (क) केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड द्वारा किये गये प्रेक्षणों के अनुसार, यह देखने में आया है कि महाराष्ट्र और गुजरात के सूखा प्रवण जिलों के कुछ भागों में भूजल स्तर में धीरे-धीरे गिरावट आ रही है।

(ख) भूजल स्तर में गिरावट का जिला-वार ब्यौरा दर्शाने वाला विवरण संलग्न है **(नीचे देखिए)**

(ग) केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड और राज्य भूजल संगठन (गुजरात जल संसाधन विकास निगम) ने गुजरात में भूजल स्तरों के खाली होने के बारे में अन्वेषण किए हैं। केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड ने ऐसे अन्वेषण महाराष्ट्र में भी किए हैं।

(घ) इस प्रयोजन के लिए राज्य सरकारों को निधियां, प्रदान करने की कोई स्कीम नहीं है। तथापि, सरकार ने सात राज्यों और दो संघ शासित क्षेत्रों जिसमें महाराष्ट्र भी शामिल है, में भूजल के कृत्रिम पुनर्भरण के अध्ययनों के लिए वर्ष 1994-95 में प्रयोगिक आधार पर एक केन्द्रीय क्षेत्र की स्कीम शुरू की थी। गत तीन वर्षों के दौरान महाराष्ट्र में भूजल पुनर्भरण अध्ययनों पर 55.40 लाख रुपये की राशि व्यय की गई है। इस प्रयोगिक स्कीम के परिणामों से उत्साहित होकर सरकार ने अध्ययन करने संबंधी इस स्कीम को हाल ही में महाराष्ट्र और गुजरात सहित 11 अन्य राज्यों में लागू करने का निर्णय लिया है। नौवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान इस स्कीम की अनुमानित लागत 25 करोड़ रुपये है। गुजरात सरकार ने 359.58 करोड़ रुपये की ओ०ई०सी०एफ० (जापान) सहायता से राज्य के उत्तरी गुजरात क्षेत्र में अति-दोहित जलभृतों में सतही जल पुनर्भरण बढ़ाने के लिए एक स्कीम भी तैयार की है।

विवरण

महाराष्ट्र और गुजरात के सूखा प्रवण जिलों में भूजल स्तर की जिलावार गिरावट

महाराष्ट्र

क्रम सं॰	जिला	भूजल स्तर (मीटर में)
1.	अहमदनगर	1 से 4.17 तक की कमी
2.	औरंगाबाद	1 से 5.19 तक की कमी
3.	बीड	1 से 9.26 तक की कमी
4.	जालना	1 से 5.48 तक की कमी
5.	नासिक	1 से 8.27 तक की कमी
6.	उस्मानाबाद	3 से 11.13 तक
7.	पूणे	1 से 10.3 तक की कमी
8.	शोलापुर	1 से 11.5 तक की कमी
9.	सांगली	1 से 10.4 तक की कमी
10.	सतारा	1 से 12.0 तक की कमी

क्रम सं॰	जिला	गुजरात उथले जलभृत गिरावट का स्तर (मी॰)	गहरे जलभृत गिरावट का स्तर (मी॰)
1.	अहमदाबाद	0.73 से 2.50 तक	12.9
2.	अमरेली	0.52 से 6.61 तक	3.18 से 7.12 तक
3.	बनासकांठा	0.68 से 9.44 तक	26.30
4.	भावनगर	0.55 से 10.25 तक	—
5.	जामनगर	0.20 से 7.57 तक	—
6.	कच्छ	0.22 से 5.69 तक	—
7.	मेहसाना	0.44 से 2.71 तक	0.57 से 50.37 तक
8.	पंचमहल	0.03 से 5.50 तक	—
9.	राजकोट	0.80 से 6.03 तक	—
10.	सुरेन्द्रनगर	0.13 से 6.60 तक	—

Water Scarcity in New Millennium

1077. SHRI SOLIPETA RAMACHANDRA REDDY:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether India will be among the countries worst hit by water scarcity which will be a primary global concern in the new millennium; and

(b) if so, the steps proposed to ensure that the country would not face steep cut backs in the supply of irrigation water?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF WATER RESOURCES (SHRI SOMPAL): (a) Rainfall in India varies greatly due to unequal seasonal and geographical distribution. Therefore, availability of water varies widely from one river basin to another. Although most of the river basins have sufficient water and are not likely to face water scarcity, some of the river basins like Sabarmati, west flowing rivers of Kutch and Saurashtra, East flowing rivers from Mahanadi to Godavari and East flowing rivers from Pennar to Kanyakumari are water short where waterscarcity situation exists.

(b) Keeping in view the future needs of water, the Government has taken vari-